वित्तीय वर्ष 2021-22 की महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ – उद्योग मंत्रालय

Highlights

- एक साल में बिहार में 614 औद्योगिक इकाईयों की स्थापना के लिए कुल 38 हजार 906 करोड़ के निवेश प्रस्ताव आए हैं।

- पिछले एक साल में कुल 87 औद्योगिक इकाईयां स्थापित हुईं और इसने उत्पादन या सफल संचालन शुरु कर दिया है।

- बिहार में पहले चरण में लग रही हैं 17 इथेनॉल इकाइयां – 04 इथेनॉल उत्पादन ईकाईयां बनकर तैयार हैं, इसमें उत्पादन का ट्रायल रन शुरु हो चुका है। बाकी कंपनियां भी तेजी से उद्योग लगाने के लिए प्रयासरत्त हैं । इनके कार्यों की प्रगति अलग अलग चरणों में है।

- बिहार में सिर्फ इथेनॉल उद्योगों की स्थापना के लिए 30 हजार 382.15 करोड़ के निवेश प्रस्ताव आए हैं। बिहार को मिले कोटे के हिसाब से फिलहाल 17 इथेनॉल उत्पादन इकाईयां लगनी तय हैं लेकिन कोटा बढ़ने पर सौ से काफी ज्यादा इथेनॉल ईकाईयां लग सकती हैं, जिनके लिए निवेश प्रस्ताव उद्योग विभाग के पास मौजूद हैं।

- ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के टेंडर में भी बिहार की प्रस्तावित इकाईयां नंबर वन रही थीं। कुल 29 कंपनियों ने 168 करोड़ लीटर सालाना इथेनॉल आपूर्ति का दावा किया था लेकिन फिलहाल कोटा सिर्फ 36 करोड़ लीटर सालाना का मिला है।

- बिहार में इथेनॉल ही नहीं हर तरह के उद्योग लग रहे हैं और इसके प्रस्ताव हैं। पिछले एक साल में मिली 614 इकाइयों के लिए प्रस्ताव में करीब 150 प्रस्तावों को छोड़कर बाकी प्रस्ताव अन्य उद्योगों की स्थापना के लिए ही हैं।

- नए साल 2022 में भी निवेश प्रस्तावों की बहुत अच्छी शुरुआत हुई है । 28 जनवरी को हुई नए साल की पहली एसआईपीबी की बैठक में 62 नए उद्योगों की स्थापना के लिए 1166.58 करोड़ रुपए निवेश प्रस्तावों को स्वीकृति मिली ।

- बिहार को मौजूदा 36 करोड़ लीटर से भी कम इथेनॉल आपूर्ति का कोटा मिला था। पहले सिर्फ 18.5 करोड़ लीटर सलाना इथेनॉल का कोटा बिहार को मिला था लेकिन काफी प्रयासों से ये बढ़ा । बिहार में डबल इंजन की सरकार, औद्योगिक विकास की तेज रफ्तार।

- बरौनी में वरुण बेवरेज लिमिटेड (पेप्सी) का बॉटलिंग का प्लांट तैयार हो चुका है , जल्द शुरु होगा उत्पादन। दो चरणों में 557.29 करोड़ का निवेश तय है।

- मुजफ्फरपुर के मोतीपुर में देश का सबसे बड़ा मेगा फूड पार्क स्वीकृत हुआ है, कार्य प्रगति पर है।

- मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के तहत 16 हजार लाभार्थी चयनित हो चुके हैं। नए उद्यमी बनाने और बिहार के युवा में उद्यमिता के विकास में खर्च होंगे 1600 करोड़ रुपए। इस योजना से बिहार के हर जिले में हजारों युवा उद्यमी तैयार हो रहे हैं। इनकी ट्रेनिंग शुरु हो गई है। ट्रेनिंग पूरी होते ही 10 लाख (5 लाख अनुदान औऱ 5 लाख लोन) उद्योग शुरु करने के लिए मिलेंगे।

- स्टार्टअप्स और एमएसएमई को पूरा सहयोग और बढ़ावा मिला है। स्टार्टअप पॉलिसी के तहत सरकार से आर्थिक सहायता प्राप्त कई स्टार्टअप कंपनियां बहुत अच्छा कर रही हैं।

- खादी और हैंडलूम मेलों से बढ़ रहे बिहार के पारंपरिक उद्योग – सिवान, आरा, मुजफ्फरपुर में खादी मेला सह प्रदर्शनी, पटना में राष्ट्रीय हैंडलूम एक्सपो का आयोजन किया जा चुका है।

- भागलपुर में मंजूषा महोत्सव से स्थानीय कला को प्रोत्साहन

- भागलपुर और बांका के 723 बुनकरों को कार्यशील पूंजी के रुप में दिए हर एक को 10 हजार के चेक

- **देश के महामहिम राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का खादी मॉल आगमन और बिहार की खादी की खरीदारी**

- **पटना के खादी मॉल की तर्ज पर मुजफ्फरपुर, पूर्णियां और भागलपुर में खादी मॉल की तैयारी, आगे हर कमिश्नरी में खादी मॉल बनाने का इरादा**

- **दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में राज्य के बुनकरों, हस्तशिल्पियों के उत्पादों की प्रदर्शनी, आईआईटीएफ में पूरे देश और विदेश की भी प्रदर्शनी में नंबर 1 रहा बिहार, गोल्ड पुरस्कार मिला**

- **तीन निगमों के 848 कर्मियों के 25 साल से बकाया वेतन भुगतान के लिए कुल 106.90 करोड़ रुपए वितरित किए**